REVIEW OF RESEARCH
ISSN: 2249-894X
IMPACT FACTOR : 5.7631(UIF)
VOLUME - 12 | ISSUE - 11 | AUGUST - 2023

सोशल मीडिया का समाज पर प्रभाव

रश्मि द्विवेदी[1] , डॉ. ममता बाजपेयी[2]
[1]शोधार्थी
[2]शोध निर्देशक
शोध केन्द्र– महाराजा छत्रसाल बुंदेलखण्ड विश्वविद्यालय छतरपुर (म0प्र0)

सारः–

आज के समय में सोशल मीडिया प्रत्येक व्यक्ति को अपने विचार एक दूसरे के पास पहुॅचाने का सशक्त माध्यम है। सूचना एवं संचार के बढ़ते साधनो में संसार में क्रांति ला दी है। भारत में अधिकाश जनता इंटरनेट का प्रयोग करती हैं और लगभग 75–80 प्रतिशत जनसंख्या सोशल मीडिया का प्रयोग कर रही है। सोशल मीडिया के सकारात्मक प्रभाव है। साथ ही सोशल मीडिया के उपयोग के द्वारा लोग आतंकवाद, साइबर क्राइम और धोखाधड़ी जैसी वारदातों में भी लिप्त हो रहे है। प्रस्तुत शोध में सोशल मीडिया के उपयोग द्वारा समाज पर पड़ रहे सकारात्मक प्रभाव एवं नकारात्मक प्रभावों का अध्ययन किया गया है।

मुख्य बिन्दुः–सोशल मीडिया, संचार साधन, इंटरनेट, साइबर क्राइम.

भूमिकाः–

मार्शल मैकलुहनः– ने कहॉ है'' माध्यम ही संदेश है।'' अर्थात माध्यम की प्रभावशीलता ही संदेश की प्रभावशीलता है। वर्तमान में सोशल मीडिया संसार को जोड़े रखने वाला एक अपरंपरागत साधन है जिसनके माध्यम से बहुत तीव्र गति से सूचनाओं का आदान–प्रदान किया जा रहा है। अर्थात सोशल मीडिया का क्षेत्र विश्वव्यापी है। सोशल मीडिया, प्रिंट मीडिया, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया से बिलकुल अलग है। सोशल मीडिया एक वर्चुअल बर्ल्ड का इंटरनेट के माध्यम से निर्माण करता है। सोशल मीडिया के माध्यम से व्यक्ति, समूह, सस्था यहॉ तक की देश की आर्थिक, सामाजिक, राजनैतिक एवं सांस्कृतिक स्थिति को समृद्ध बनाया जा सकता है। इस तरह सोशल मीडिया सकारात्मक भूमिका निभाता है। सोशल मीडिया के सकारात्मक प्रभाव है पर साथ ही कुछ लोगों के द्वारा इसका गलत प्रयोग करके कई बार ऐसी जानकारी जानबूझकर दी जाती है जिसका समाज पर प्रभाव प्रतिकूल होता है। साइबर क्राइम में लिप्त होना समाज पर सोशल मीडिया का नकारात्मक प्रभाव ही है।

सोशल मीडियाः–

सोशल मीडिया अध्ययन से संबंधित एक नया क्षेत्र है। सोशल मीडिया का विकास निरंतर हो रहा हैं यह 2.0 बेल तकनीकी के रूप में है यह ऑनलाइन बेबसाइट्स के माध्यम से लोगों को एक दूसरे से जोड़ती है। सोशल मीडिया ऑडियो, वीडियों तथा टैक्स्ट तीनों को सम्मिलित रूप प्रस्तुत करता है।

डेबिड लेंड्सबर्गेन (2010) :–

''सोशल मीडिया उपकरणों का एक मंच है जो सामाजिक संचार की सभी आवश्यकताओं को पूरा करते है।''

व्यक्ति को सुगमता से इंटरनेट उपयोग करने की इजाजत देता है साथ ही यह टेक्स्ट के साथ–साथ ऑडियो, वीडियो में व्यक्तियों के द्वारा अपना खाता (Account) बनाना होता है जिसके द्वारा विभिन्न सोशल साइट्स का प्रयोग एक दूसरे को संदेश संप्रेषित करने के लिए किया जाता है।

आज सोशल मीडिया के माध्यम से हम अपने देश के किसी भी कोने में रह रहे दोस्तों, रिश्तेदारों, सगे संबंधियों से एक क्लिक के द्वारा एक दूसरे के सामने आ जाते हैं और एक साथ एक से अधिक व्यक्तियों के साथ जुड़कर अपने विचारो का आदान–प्रदान करते है। सोशल मीडिया आज के युग में युवा वर्ग में सबसे ज्यादा लोकप्रिय है। सोशल मीडिया की विभिन्न साइट्स फेसबुक, ट्विटर, व्हाट्सअप, इस्टाग्राम, गूगल, लिंक्डइन, यून्ट्यूब, टेलीग्राम, मीटअप आदि है।

सोशल मीडिया का समाज पर प्रभावः–

सोशल मीडिया किसी भी समाज को बनाने तथा किसी भी समाज को नष्ट भी कर सकता है। यह यूजर्स पर निर्भर है कि वह सोशल मीडिया पर किस साइट्स का उपयोग किस तरह कर रहा है। यदि अध्ययन अध्यापन के कार्य में कुछ ज्ञान अर्जित करने के लिए इसका उपयोग किया जाता है तो एक उच्च स्तरीय अच्छे जीवन के लिए अग्रसर होते है। वहीं यदि सोशल मीडिया का उपयोग केवल समय गुजारने के लिए किया जाता है तो हम अपने कीमती समय गंवा देते है। और किसी भी प्रकार का ज्ञान प्राप्त नहीं हो पाता है अर्थात् इसका उपयोग करके जीवन में आगे बढ़ा जा सकता है। तथा दुरपयोग से व्यक्ति अपने जीवन में अंधकार की ओर चला जाता है।

समाज पर सोशल मीडिया के सकारात्मक प्रभावः–

सोशल मीडिया प्रगति पथ का एक स्तंभ माना जा सकता है। सोशल मीडिया के सही प्रयोग के द्वारा व्यक्ति प्रगति के मार्ग पर अग्रसर हो सकता है समाज के विकास में सूचनाओं का प्रचार–प्रसार करने के लिए सोशल मीडिया एक सशक्त माध्यम हैं। लोकतंत्रिक समाज में मीडिया के माध्यम से प्रत्येक व्यक्ति की आवाज को सरकार तक तथा सरकार की बात जनता तक पहुँचाई जाती है। सोशल मीडिया प्रत्येक व्यक्ति को अपनी बात खुलकर सबके सामने रखने का एक खुला मंच प्रस्तुत करती है। वर्तमान समय में शिक्षा के प्रचार–प्रसार में भी सोशल मीडिया एक अहम भूमिका निभा रहा है। अधिकांश विश्वविद्यालयों के द्वारा कई प्रकार के पाठ्यक्रम ऑनलाईन उपलब्ध कराये जा रहे है। कई ट्यूरोरियल ऑनलाइन बेबसाइट्स के माध्यम से लोगों की सीखने का अवसर प्रदान करती है। e-mail और वीडियों कॉन्फ्रेसिंग के द्वारा अपने विचारों का आदान–प्रदान किया जाता हैं। देश का मुख्य व्यवसाय कृषि जिसके विकास के लिए सरकार द्वारा कई ऐसे ऑनलाईन पोर्टल प्रारंभ किये गए है जिसके द्वारा कृषि की नई तकनीकों एवं कृषि से संबंधित विभिन्न प्रकार की बीज बोने से लेकर फसल काटने तक सभी निर्देश बसूबी दिखाये एवं सिखाये जाते है। जिससे हम अपनी कृषि को और अधिक अन्नत तरीके से कर सकते हैं।

समाज पर सोशल मीडिया के नकारात्क प्रभावः–

सोशल मीडिया पर जहॉ सकरात्मक प्रभाव मानव है बहीं दूसरी ओर व्यक्तियों पर इसके नकारात्मक प्रभावों का भी असर होता है। कहते है ''एक सिक्के के दो पहलू होते है।'' इसी तरह सोशल मीडिया का एक तरफ समाज पर सकरात्मक प्रभाव पड़ा हैं। और दूसरी ओर नकारात्मक प्रभाव भी व्यक्ति पर है। सोशल मीडिया के माध्यम से कई झुठी खबरों को फैलाया जाता है। समाज का युवा वर्ग सोशल मीडिया से अधिक प्रभावित हैं वयस्क फिल्मों को देखने की आयु लगभग 18 वर्ष या इससे अधिक है किन्तु आज सोशल मीडिया के प्रयोग से बाल वर्ग किशोर भी इस प्रकार से वयस्क फिल्मों को देखते है। म्यांमार में मुस्लिम समुदाय के लागों पर अत्याचार असम हिंसा, कई शहरों मे प्रदर्शन बेहद संवेदनशील मामले है जिन्हें सोशल मीडिया के द्वारा फैलाया गया था। साइबर, क्राइंम, हैकिंग आदि सोशल मीडिया के नकारात्मक प्रभाव ही है।

निष्कर्षः–

निष्कर्ष तौर पर कहा जा सकता है कि सोशल मीडिया अर्थात् प्रत्येक व्यक्ति को अपने विचार प्रस्तुत करने का खुाल मंच है। सोशल मीडिया के द्वारा जहॉ एक ओर जनचेतना का आगाज हुआ वही दूसरी ओर समाज विरोधियों ने इसका गलत प्रयोग भी किया हैं। सोशल मीडिया तेजी से विकसित हो रहा है जिसकी जनमानस को आदत हो गई है। सोशल मीडिया के सकारात्मक पहलू के साथ–साथ इसके उपयोग के द्वारा समाज में बढ़ते साइबर क्राइम को भी नजरअंदाज नही किया जा सकता है। वर्तमान समय में आवश्कयता है सोशल मीडिया का उपयोग करने वालों के प्रति जागरूकता की जिससे व्यक्तियों के द्वारा उसका गलत प्रयोग न करके उसके सकारात्मक पहलुओं पर ध्यान दिया जायें।

संदर्भ ग्रंथ सूचीः–

1. कुमार.सु. (2004) इंटरनेट पत्रकारिता, नई दिल्ली, तक्षशिला प्रकाशन
2. India. New Delhi. Sage Publications
3. Journalism in India. New Delhi. Sage Publications.
4. सोनी, सु, (2009) नीवन मीडिया प्रविधियॉ, जयपुर बुक एनक्लेव,
5. Arya, N (2011) आधुनिक प्रभाव एवं कार्य जयपुर
6. Sharma. वि. (2011) Media Achivers, Jaipur Publication Harshloack Publication